महत्वपूर्ण एवं खास

स्कूली बच्चों से भरी ऑटो पलटी, तीन बच्चे घायल

कोंडागांव (आरएनएस)। जिले के फरसगांव ब्लॉक के ग्राम आलोर के पास स्कूली बच्चों से भरी एक ऑटो के पलटने से तीन स्कूली बच्चे घायल हो गए हैं। सभी को उपचार के लिए फरसगांव अस्पताल में भर्ती किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम झाटीबन से 11 बच्चे ऑटो में सवार होकर बड़ेडोंगर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल जा रहे थे। इसी आलोर हाईस्कूल के पास सामने से आ रही को बचाने के चक्कर में ऑटो अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई। इस हादसे में तीन बच्चे घायल हो गये। आसपास लोगों की ममद से तत्काल सभी बच्चो को ऑटो से बाहर निकाला गया तथा घायल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि ऑटो में सवार सभी बच्चे बड़ेडोंगर डीएवी पब्लिक स्कूल के एलकेजी और यूकेजी के बच्चे हैं, जिनकी आज परीक्षा थी। परीक्षा में शामिल होने ऑटो में सवार होकर जा रहे थे, फिलहाल घायल बच्चों का उपचार फरसगांव अस्पताल में चल रहा है।

छत्तीसगढ़ को मिले छह आईपीएस, इशु अग्रवाल और हर्षित मेहर को मिला होम कैडर

नई दिल्ली/रायपुर (आरएनएस)। भारतीय पुलिस सेवा 2021 बैच के अधिकारियों को कैडर प्रदान कर दिया गया है. छत्तीसगढ़ के इशु अग्रवाल को छत्तीसगढ़ का होम कैडर मिला है, वहीं 376वीं रैंक हर्षित मेहर को भी होम कैडर मिला है. इनके अलावा 228वीं रैंक प्राप्त मध्य प्रदेश के मयंक मिश्रा को 354वीं रैंक प्राप्त यूपी के विमल कुमार पाठक, 377वीं रैंक प्राप्त राजस्थान के राहुल बंसल और 482वां रैंक प्राप्त कर्नाटक की तहसीनबान दवादी को छत्तीसगढ़ कैडर प्रदान किया गया है।

मोदी केयर महिलाओं को उपलब्ध कराएगा रोजगार

कोरबा (आरएनएस)। बढ़ती महंगाई के दौर में जहां खर्च और ख्वाहिशें हर किसी की बढ़ी हुई है। हम सब जानते हैं कि रोजगार की इतनी किल्लत है तो प्रतिस्पर्धा भी बहुत ज्यादा है, जिसका सामना करना हर किसी के बस की बात नहीं है। लेकिन प्रतियोगिता क्रैक कर जॉब में जा सकते हैं। डायरेक्ट सेलिंग मोदी केयर से महिलाएं आर्थिक आजादी के साथ आत्मनिर्भर हो रही है। उक्त बातें आर्थिक आजादी संस्था के प्लेटिनम डायरेक्टर मनीषा साहू ने प्रेस क्लब तिलक भवन में कही। उन्होंने कहा कि मोदी केयर के माध्यम से महिलाओं को रोजगार का एक माध्यम प्रदान किया जा रहा है।

अचानक भरभराकर गिरी दीवार, दादा और पोता आए मलबे की चपेट में, पोते की मौत, दादा गंभीर

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही के नरौर गांव में अचानक से एक दीवार भरभर्राकर गिर गया। इस दौरान दिवार के पास बैठा एक बुजुर्ग और वहीं पर खेल रहा एक 4 साल का बच्चा दीवार के मलबे में दब गए। वहां मौजूद लोगों ने दोनों को मलबे से बहार निकलकर अस्पताल पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई वहीं उसके घायल दादा के पैर में गंभीर चोट आने से उसे अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। यह पूरा मामला मरवाही थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मरवाही के नरौर गांव में अपने घर में एक बुजुर्ग बैठा हुआ था और पास ही में उसका चार साल का पोता भी खेल रहा था। इस दौरान घर का एक दिवार अचानक से गिर गया। दादा और पोता दोनों दीवार के मलबे की चपेट में आ गए। वहां मौजूद लोगों ने आनन-फानन में मलबे में फंसे दोनों लोगों को बाहर निकाला और 112 आपातकालीन सेवा को फोन कर उन्हें जिला अस्पताल लेकर आए। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी। अस्पताल में जांच के बाद डॉक्टरों ने 4 साल के बच्चे अंकुश मराबी की मौत की पुष्टि की, जबकि उसके दादा बाबूलाल मरावी का पैर टूटने के चलते अस्पताल में भर्ती कर लिया गया है। फिलहाल बाबूलाल की हालत भी गंभीर बताई जा रही है।

महिलाओं को छोटे उद्योगों के लिए मिलेगी लोन और सब्सिडी की सुविधा - मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

❐ **महिला संरक्षण अधिकारी और पर्यवेक्षक हुए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित**

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज राजधानी के बीटीआई ग्राउंड में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढऩे में मदद कर रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को छोटे उद्योगों के लिए लोन और सब्सिडी की सुविधा देने की पहल की जाएगी, जिससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें। उन्होंने इस मौके पर सरगुजा, दुर्ग, कोरिया जिले की महिला संरक्षण अधिकारियों, 5 पर्यवेक्षकों और बिलासपुर, बालोद और नारायणपुर जिले में संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंडिया ने की। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महिला कोष से 8 महिला समूहों और 3 महिलाओं को स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों के लिए 2 लाख से लेकर 4 लाख रूपए तक के चेक वितरित किए। कार्यक्रम में संसदीय सचिव रश्मि आशीष सिंह, धरसींवा विधायक अनिता योगेन्द्र शर्मा, पंडरिया विधायक ममता चन्द्राकर, विधायक रायपुर उत्तर कुलदीप जुनेजा, पूर्व सांसद छाया वर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य महिला

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष तेजकुंवर नेताम सहित अनेक जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री बघेल ने महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार ने ऐसी योजनाएं शुरू की, जिससे महिलाओं के पास पैसा जाए और उनका आत्मविश्वास बढ़े। राज्य सरकार ने महिला समूहों का 13 करोड़ ऋण माफ किया। ऋण योजना में लोन की सीमा बढ़ाकर 04 लाख रूपए कर दिया है। महिलाएं आगे बढक़र ज्यादा से ज्यादा योजनाओं का लाभ लें।

बघेल ने कहा कि राज्य सरकार गोबर खरीद कर समूह के माध्यम से वर्मी कम्पोस्ट बनवा रही। पहले इसकी आलोचना हुई लेकिन अब तक हमने 200 करोड़ रूपए की गोबर खरीदी कर ली है। इसका आधा पैसा महिलाओं को जा रहा है। महिलाएं गोबर से प्राकृतिक पेंट भी बना रही है। इस प्राकृतिक पेंट से सरकारी कार्यालयों में पोताई कराने के निर्देश जारी कर दिया है। इसी प्रकार महिलाएं वर्मी खाद, गमला, सब्जी उत्पादन जैसी कई गतिविधियों से जुड़ी हैं। रीपा में महिला उद्यमियों को भी लघुकुटीर उद्योगों को प्रारम्भ करने जमीन, बिजली, पानी जैसी जरूरी सुविधाएं दी जा रही है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर महिला समूहों को दिए जाने वाले ऋण राशि को दोगुनी करते हुए उसकी सीमा 04 लाख रूपए तक बढ़ा दी गई है। सक्षम योजना में भी सीमा दोगुनी कर दी गई है। महिलाएं आगे बढ़े और योजनाओं का लाभ लें। राज्य सरकार महिलाओं के साथ है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या मिश्रा ने बताया कि सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से 13 हजार से अधिक महिलाओं को आश्रय प्रदान किया गया है और 4 हजार से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 01 लाख से अधिक कन्याओं का विवाह कराया गया है। कौशल्या मातृत्व योजना के तहत 1171 महिलाओं और नोनी सुरक्षा योजना के तहत 72 हजार 375 बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। अब तक 39 हजार से अधिक समूहों को 92 करोड़ रूपए के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। सक्षम योजना से भी 3176 महिलाओं को 20 करोड़ से अधिक के ऋण दिए गए हैं।

हर्बल गुलाल से स्व सहायता समूह की महिलाएं दे रही सुरक्षित होली का संदेश

❐ **हर्बल गुलाल की लगातार बढ़ रही है मांग**

रायपुर (आरएनएस)। हर्बल गुलाल शुद्ध प्राकृतिक तत्वों से निर्मित एवं केमिकल रहित होने की वजह से इसकी डिमांड लगातर बढ़ रही हैं। इसको देखते हुए पूरे प्रदेश में स्व-सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा इसका निर्माण एवं विक्रय किया जा रहा है। कोंडागांव जिले के ग्राम आलोर के मां शीतला स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल की मांग हर साल बढ़ती जा रही है। समूह द्वारा वर्ष 2021 में 3 क्विंटल हर्बल गुलाल का उत्पादन किया गया था, इससे उन्हें 31 हजार रुपये की आमदनी हुई थी। हर्बल गुलाल की डिमांड को देखते हुए वर्ष 2022 में 4 क्विंटल हर्बल गुलाल का उत्पादन किया गया, इससे उन्हें 40 हजार रुपये का लाभ हुआ था। इस साल समूह की महिलाओं के द्वारा पांच क्विंटल हर्बल गुलाल का उत्पादन किया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि इससे समूह को 50 हजार रूपए से ज्यादा की आमदनी होगी। हर्बल गुलाल की बिक्री से समूह को अब तक 10 हजार रुपये तक की आय हो चुकी है। मां शीतला स्व-सहायता समूह को इस सफलता के लिए राज्य स्तर पर भी सम्मानित किया जा चुका है।

गतवर्ष की तरह इस वर्ष भी कृषि विज्ञान केंद्र व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के संयुक्त प्रयास से ग्राम आलोर के मां शीतला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को हर्बल गुलाल बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। समूह की महिलाओं द्वारा गुलाल बनाने हेतु वर्ष भर वनों में जाकर प्राकृतिक रंजक जैसे पलास, धवई, सिंदूर, मेहँदी, पत्तियां तथा बाजार से चुकंदर, लाल भाजी, पालक, हल्दी एवं गुलाब जल आदि का संग्रहण कर, होली के एक माह पूर्व से हर्बल गुलाल उत्पादन करना प्रारंभ कर दिया जाता हैं। समूह के मास्टर ट्रेनर एवं वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र डॉ. हितेश मिश्रा ने ''मेरी होली सुरक्षित होली'' का नारा देते हुए बताया कि समूह की महिलाएं पूर्ण रूप से जैविक तत्वों से बने हर्बल गुलाल का उत्पादन कर रही हैं। जो हमारे शरीर को किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचाती है। बाजार में खतरनाक रसायनों से बना गुलाल जिससे त्वचा में एलर्जी, आंखों में इंफेक्शन, दमा, अस्थमा, खुजली, सिरदर्द जैसे कई प्रकार की समस्याएं होने की संभावना होती है। जबकि हर्बल गुलाल से त्वचा को शीतलता प्राप्त होती है और इससे किसी प्रकार का साइड इफैक्ट भी नहीं होता है।

चैत्र नवरात्रि 22 से रामनवमी तक रोजना होंगे धार्मिक कार्यक्रम

जगदलपुर (आरएनएस)। चैत्र प्रतिपदा हिंदू नववर्ष 22 मार्च से शुरू होगा और 30 मार्च को श्रीराम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इसे लेकर 22 से 30 मार्च तक सनातन क्षेत्रीय मंच (सक्षम) माई दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में प्रतिदिन शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इसे लेकर गुरूवार को जगन्नाथ मंदिर में सर्वसमाज की बैठक हुई, जिसमें प्रमुख समाजों के युवा शामिल हुए। बैठक में निर्णय लेते हुए 22 से 30 मार्च तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए इसे अंतिम रूप दिया गया। इसके बाद सनातन धर्म महासभा व सक्षम ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए आयोजन की अनुमति मांगी, एसडीएम से कार्यक्रमों को अनुमति प्राप्त हो गई है।

सक्षम के जिला अध्यक्ष संतोष भदौरिया ने बताया कि 22 मार्च को सक्षम के महिला प्रकोष्ठ आद्य नारायणी द्वारा शहर में विशाल स्कूटी रैली निकाली जाएगी। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, गीत, भजन संध्या, रंगोली स्पर्धा सहित अन्य आयोजन होंगे। माई दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में कार्यक्रमों के लिए मंच तैयार किया जाएगा, जहां प्रतिभागी अपनी प्रस्तुति देंगे। बैठक में सर्वसम्मति से पूरे 08 दिनों तक चलने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया।

लकड़बग्घे के हमले से दो वर्षीय बच्चे की हुई मौत

जगदलपुर (आरएनएस)। जिले के कोड़ेनार थाना क्षेत्र अंतर्गत तोकापाल विकासखंड के ग्राम पंचायत नैननार के पटेलपारा में घर के आंगन में खेल रहे 02 वर्षीय बच्चे को लकड़बग्घा ने अपना शिकार बना लिया, कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे की मां और ग्रामीणों ने लकड़बग्घे के जबड़े से बच्चे को आजाद कराने में सफल रहे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जख्मी बच्चे को तत्काल अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तोकापाल विकासखंड के ग्राम पंचायत नैननार में एक 02 वर्षीय बच्चा अपने ही घर के आंगन में खेल रहा था, इसी दौरान लकड़बग्घा झाडिय़ों से निकलकर बच्चे को दबोचते हुए जंगल की ओर भाग रहा था, बच्चे की मां का नजर उस लकड़बग्घे पर पड़ा तो देखा कि वह उसके बच्चे को लेकर जा रहा है। चीखती चिल्लाती बच्चे की मां लकड़बग्घे के पीछे भागी और अपने बच्चे को छुड़ाने की भरपूर कोशिश करने लगी। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण लकड़बग्घे के पीछे बच्चे को बचाने के लिए दौड़ पड़े। तकरीबन 02 से 03 किलोमीटर तक लकड़बग्घा ने अपने जबड़े में बच्चे को पकडक़र ले जाता रहा। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद लकड़बग्घे से बच्चे को छुड़ाने में जरूर सफल रहे, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। जख्मी बच्चे को तत्काल ही बस्तर के सबसे बड़े डीमरापाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां बच्चे की इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिला मड़ई : महिलाओं में दिखी स्वावलंबन की झलक

❐ **कोरिया के आचार-पापड़, जांजगीर के कोसा, चलो संगी मड़ई में खाबो मिलेट के डोसा**

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी में चल रहे महिला मड़ई में दिखी महिलाओं की आर्थिक तरक्की की झलक। प्रदेशभर से महिला समूह अपने उत्पादों को लेकर यहां पहुंची है। इनमें जांजगीर का प्रसिद्ध कोसा, बस्तरिया आर्ट की विभिन्न कलाकृतियां, मिलेट के स्वादिष्ट खाद्य उत्पाद, हस्तशिल्प और अन्य सजावटी सामान ने प्रमुख रूप से लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। महिलाओं द्वारा इस मड़ई में 64 स्टॉलों के जरिये अपने समूह के उत्पादों में सामाग्री की बिक्री सह प्रदर्शनी लगाई गई थी।

महिला बाल विकास विभाग द्वारा बीटीआई ग्राउंड में आयोजित इस मड़ई में कोरिया फेडरेशन की जिला अध्यक्ष नीलिमा चतुर्वेदी ने बताया कि फेडरेशन के अंतर्गत 15 हजार महिला स्वसहायता समूह काम करती है। फेडरेशन से 1.50 लाख से ज्यादा महिलाएं जुड़ी हुई हैं। हर समूह को प्रतिमाह 50 हजार से एक लाख रूपए तक की आमदनी होती है।

उन्होंने बताया कि समूह द्वारा उत्पादित आचार, पापड़, चिप्स, पोहा, मुर्रा, लड्डू, चटनी, कुकीज, नमकीन, चना, बिस्किट महिला हॉस्टल, छात्रावास, मध्यान्ह भोजन में दिया जाता है। उनके फेडरेशन को राष्ट्रपति और मिनीमाता सम्मान से सम्मानित किया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का आभार जताते हुए कहा है कि समूह द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की बिक्री को लेकर वे निश्चिंत है, क्योंकि सी-मार्ट के माध्यम से सभी उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध होने के साथ उनकी बिक्री भी जल्दी हो जाती है। कोरबा जिले के ग्राम कथरिमाल की संयम स्वसहायता समूह की भागबाई बंजारे बताती है कि समूह की महिलाएं एक दिन में चार से पांच सौ बल्ब बना लेती है। उनके द्वारा 9 वॉल्ट और 12 वॉल्ट के बल्ब बनाए जाते है। समूह की महिलाएं पिछले 2 वर्षों से बल्ब बनाने का काम कर रही है। इससे प्रतिमाह हर सदस्य को चार से पांच हजार रूपए की आमदनी होती है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले की नेक महिला स्वसहायता समूह सजावटी समान और मनिहारी के सामान बनाकर जगह-जगह स्टॉल लगाकर उनकी बिक्री करता है। खास बात यह है कि समूह में 20 सदस्य है और सभी दिव्यांग है। समूह की महिलाएं प्रतिमाह 30 हजार से ज्यादा की आमदनी कर लेती है।

सीता नदी अभ्यारण में मिली पक्षियों के 152 प्रजातियां

नगरी (आरएनएस)। गरियाबंद जिले के जंगल को मिलाकर 2008 - 2009 में सीता नदी उदंती अभ्यारण बनाया गया है अब यहां साइबेरियन पक्षियों का नया घर बन गया है दरअसल दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों की खोज करने वाली पहली बार सर्वे हुआ है जिसमें बिलासपुर से आए अचानकमार टाइगर रिजर्व के रिसर्च एसोसिएट अभिजीत शर्मा की 6 सदस्य टीम ने सीता नदी सुदूर बांध और आम मोहरा कोयबा एरिया में सर्वे किया 3 दिन में 152 प्रजातियों के पक्षियों को ढूंढना जिसमें 20 ऐसे दुर्लभ प्रजाति मिली जो विदेशों में विलुप्त होने के कगार पर है खास बात यह है कि यहां नारंगी आंखों वाला उल्लू,अफ्रीका यूरोप की हुपु, पश्चिमी घाट से मालाबार फाइट हारनबिल पक्षी पहुंचा है, रूपल ट्रीपी इकलौता पक्षी है जो बाघ के मुंह से अपना निवाला ले लेता है।

6 सदस्यीय टीम ने 3 दिन किया सर्वे

सीता नदी उदंती अभ्यारण में 16 से 19 फरवरी तक सर्वे चला जिसमें बिलासपुर से 6 सदस्यों की एक टीम को अभिजीत शर्मा ने लेट किया जिसका रिपोर्ट 2 दिन पहले जारी किए गए इसके साथ लैंडस्केप फोटोग्राफर और डाकू डाकूमेनशन कंपोजर अकाश वीर सिंह रितेश श्रीवास हर्षवर्धन सिंह युवराज सिंह शुभम कुमार शामिल थे पक्षियों पर ग्रे हारनबिल भी दिखे जो गुजरात के गिर नेशनल पार्क में छोड़े गए क्योंकि वहां विलुप्त हो गए थे अपने यहां हजारों में हैं

1842.54 वर्ग किलोमीटर में फैला है यह अभ्यारण

अभ्यारण के डीएफओ वरुण जैन ने बताया कि सर्वे में करीब 20 ऐसे दुर्लभ प्रजाति नजर आए जो लुप्त होने की स्थिति में है इसमें मालाबार फाइट हरनबील शामिल है जो पश्चिमी घाट में विलुप्त होने की स्थिति में है दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों को सुरक्षित करेंगे फिर प्रचार-प्रसार कर परिजनों को इस ओर आकर्षित करने की पहल की जाएगी।

जानिए इन दुर्लभ प्रजातियों के पक्षी यहां मौजूद है एकदम निडर हो बहादुर परिंदा शाहीन बाज सर्किल मलकोहा रूपल ट्रीपी मालाबार पाईट हरबिन क्रे स्टेट ट्री स्विफ्ट भारतीय स्कूप्स उल्लू, रयुफ़्स बेलिड इगल, अल्ट्रामरीन फ्लैइकाइचर सफ़ेद पेट वाला कठ फोड़वा, अमूर फाल्कन, ग्रे हरेंबिल ग्रेटर रैकेट रुपल ट्रिपी, हुपु, ग्रे लेग गिज, यूरेशियन स्पूनबिल, कॉमन पोचार्ड, कामन इस्पिन जैसे दुर्लभ प्रजाति के पक्षी हमारे सीता नदी उदंती अभ्यारण में है।

तीन दिवसीय वृहद राजस्व शिविर का हुआ समापन : तीन दिनों में कुल 5629 आवेदनों का शिविर में निराकरण, सरिया तहसील में आयोजित हुआ आज राजस्व शिविर

सारंगढ़-बिलाईगढ़। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण हेतु दिए गए निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर डॉ.फरिहा आलम सिद्दीकी के निर्देशन में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के पाँचों तहसीलों में वृहद स्तर पर राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में आज सरिया तहसील में वृहद राजस्व शिविर आयोजित किया गया। इस प्रकार तीन दिवसीय राजस्व शिविर का आज समापन हुआ। शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए एवं उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर स्थल में सभी तहसीलों में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारियों ने बेहतर कार्य करते हुए बड़ी संख्या में आवेदनों का निराकरण किया। इस दौरान कलेक्टर डॉ.सिद्दीकी ने स्वयं शिविर स्थल का निरीक्षण किया और आमजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। नवगठित जिले में सीमित संसाधनों के बावजूद सुबह से रात तक मिशन मोड में काम करते हुए राजस्व अमले के तमाम अधिकारियों-कर्मचारियों ने बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए बड़ी संख्या में राजस्व मामलों का निराकरण किया, जिसके लिए कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

सरिया तहसील में आयोजित वृहद् राजस्व शिविर में कुल 794 प्राप्त आवेदनों में 753 आवेदनों का निराकरण किया गया। इससे पूर्व सारंगढ़, बिलाईगढ़, बरमकेला एवं भटगांव तहसील में आयोजित शिविर में कुल 4876 आवेदनों का निराकरण किया गया। सारंगढ़ तहसील में कुल 1676 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1542 आवेदनों का निराकरण किया गया। बिलाईगढ़ तहसील में कुल 688 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 266 आवेदनों का निराकरण किया गया। बरमकेला तहसील में कुल 1355 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1232 आवेदनों का निराकरण किया गया। ठीक इसी तरह भटगाँव तहसील में कुल 2295 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 1836 आवेदनों का निराकरण किया गया।

प्राप्त 6808 कुल आवेदनों में 5629 आवेदनों का हुआ निराकरण- विगत तीन दिनों से चल रहे वृहद राजस्व शिविर का आज सरिया तहसील में समापन हुआ। 02 मार्च को सारंगढ़ और बिलाईगढ़ में आयोजित शिविर में कुल 1808 आवेदनों का निराकरण किया गया। 03 मार्च को बरमकेला एवं भटगाँव में कुल 3068 आवेदनों का निराकरण किया गया। इसी क्रम में आज सरिया में कुल 753 आवेदनों का निराकरण किया गया। इस तरह तीन दिनों में जिले के पांचों तहसील कार्यालयों में आयोजित शिविर में प्राप्त 6808 आवेदनों में कुल 5629 आवेदनों का निराकरण किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित उक्त राजस्व शिविर में राजस्व प्रकरणों के नामांतरण, बंटवारा, आरबीसी 6-4, द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका, एवं राजस्व से संबंधित विभिन्न अन्य प्रकरणों का निराकरण किया गया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी तकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के द्वारा सामाजिक उन्नयन अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU